Supplement—II Regd. No. CHD/0093/2015-2017

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 23-2016] CHANDIGARH, TUESDAY, JUNE 7, 2016 (JYAISTHA 17, 1938 SAKA)

General Review

पशु पालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट वर्ष 2014–2015 की समीक्षा

दिनांक 23 मई, 2016

क्रमांक 3932.—

प्रस्तुत वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट पशुपालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की 48वीं रिपोर्ट है। हरियाणा प्रदेश प्राचीन काल से अपनी हरयाणा नस्ल की गायों तथा मुर्राह नस्ल की भैंसों का घर होने के कारण भारत के मान–चित्र पर अपना विशेष स्थान रखता है। संकर प्रजनित पशुओं में चूँकि दूध उत्पादन क्षमता अधिक होती है इसलिए पशुधन में अधिकाधिक उत्पादन क्षमता का संचार करने हेतु संकर प्रजनन प्रणाली राज्य में प्रारम्भ की गई है। वर्ष 2014–2015 के दौरान 7.52 लाख गायों तथा 19.81 लाख भैंसों में कृत्रिम गर्भाधान किया गया। जिसके फलस्वरुप 2.87 लाख बछड़े/बछड़ियाँ तथा 7.90 लाख कटड़े/कटड़ियाँ उत्पन्न हुई।

पशु स्वास्थ्य

वर्ष 2014–2015 के दौरान हरियाणा राज्य में 2799 पशु संस्थाएँ पशु स्वास्थ्य, प्रजनन तथा विभागीय अन्य सभी गतिविधियों हेतु कार्यरत रही हैं।

हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्थान, हिसार द्वारा 149.19 लाख टीके तैयार किए गए तथा पशुओं में रोग रोक–थाम हेतु 362.67 लाख टीके पशु चिकित्सा अमले द्वारा लगाए गए।

विशेष पशुधन प्रजनन कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2014–2015 मे 32 भेड़ पालन के लिए और 39 सूकर पालन इकाइयों के लिए अनुदान दिया गया इसके अतिरिक्त 2 दुधारू पशुओं की 1153 ईकाईयां स्थापित करवाकर भी उनको अनुदान राशि प्रदान की गई।

भेड़ तथा ऊन विकास कार्यक्रम

भेड़ प्रजनन फार्म, हिसार का मुख्य उद्देश्य बढ़िया नस्लों के मेंढे उत्पन्न करके प्रजनन कार्य हेतु भेड़ पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2014–2015 के दौरान इस फार्म के 297 उत्तम नस्ल के मेंढे भेड़ पालकों को प्रजनन हेतु दिए गए।

ऊन श्रेणीकरण केन्द्र, लोहारु तथा हिसार द्वारा भेड़ पालकों को दलालों के चंगुल से बचाने के लिए उनके घर द्वार से ही उचित दामों पर 19.57 टन ऊन खरीदी।

बकरी विकास कार्यक्रम

उत्तम नस्ल के बकरों की मांग को राज्य में ही पूरा करने के लिए एक बकरी प्रजनन यूनिट की स्थापना राजकीय पशुधन फार्म, हिसार में की गई। यहाँ प्रजनन हेतु उत्तम नस्लों के बकरे पैदा करने के लिए बिट्ठल, ए.बी. क्रास, ए.बी. जे. क्रास, ए. जे. क्रास तथा बिट्ठल क्रास नस्ल की बकरियां रखी हुई हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान 49 उत्तम नस्लों के बकरे रियायती कीमत पर बकरी पालकों को दिए गए।

सूकर विकास कार्यक्रम

राजकीय सूकर फार्म अम्बाला तथा सूकर प्रजनन इकाई हिसार का मुख्य उद्देश्य यार्कशायर नस्ल के सूकर पैदा करके प्रजनन हेतु सूकर पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2014–2015 में राजकीय सूकर फार्म, अम्बाला से 71 तथा सूकर फार्म इकाई हिसार से 219 सूकर, सूकर पालकों को दिए गए।

राज्य में पशुधन एवं कुक्कुट विकास हेतु विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के परिणामस्वरुप वर्ष 2014–2015 मे सैम्पल सर्वे के आधार पर दूध, अण्डा, ऊन तथा मांस की पैदावार क्रमशः 79.01 लाख टन दूध, 45790 लाख अण्डा, 14.28 लाख किलोग्राम ऊन तथा 141.41 लाख किलोग्राम मांस का उत्पादन अनुमानित किया गया।

डेयरी

डेयरी व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवकों को 20/10/5/3 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई स्थापित कर स्वरोज़गार के अवसर प्रदान करवाने व पशु आहार निर्माता एवं व्यवहारियों से मिश्रित पशु आहार, सांद्रण एवं खनिज तथा लवण की गुणवत्ता, समरुपता को पशु आहार आदेश 1999 के आधार पर सुनिश्चित करना तथा उनका पंजीकरण करना व भावी लाभ प्राप्तकर्ताओं हेतु 11 दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण आयोजित कर उन्हें डेयरी व्यवसाय के वैज्ञानिक एवं तकनीकी साधनों से परिचित करवाना है। वर्ष 2014–2015 के दौरान 450 व्यक्तियों को डेयरी प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष 2014–2015 के दौरान 1390 डेयरी यूनिट स्थापित की गई तथा 61 पशु आहार निर्माताओं व 145 व्यवहारियों को पंजीकृत किया गया और पूरे राज्य में 104 निर्माताओं एवं व्यवहारियों का अगले तीन वर्षों के लिए नवीनीकरण किया गया तथा 5 पंजीकरण रद्द किए गए।

वी० एस० कुन्डु,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग।

REVIEW OF THE ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2014-2015.

The 23rd May, 2016

No. 3932.—

The present annual administrative report is the 48th issue of Animal Husbandry and Dairying Department, Haryana. Being the home track of Hariana breed of cows and Murrah breed of buffaloes from ancient times the State has a special place in livestock sector on the map of India. During the year 2014-15, 7.52 lac cows and 19.81 lac buffaloes have been inseminated and as a result 2.87 lac cow calves and 7.90 lac buffalo calves of improved genetic merit were born.

ANIMAL HEALTH

2799 veterinary institutions remained in operation for attending health care, breeding work and other activities of the department during the year 2014-15.

Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hisar produced 148.19 lac doses of prophylactic vaccines and 362.67 lac preventive vaccinations were performed by the veterinary staff.

SPECIAL LIVESTOCK BREEDING PROGRAMME (SCSP)

Under this programme 1224 families belonging to Scheduled castes were given subsidy in the shape of 1153 units of 2 milch animals, 32 sheep units and 39 piggery units were established.

SHEEP AND WOOL DEVELOPMENT PROGRAMME

The main objective of Sheep Breeding Farm, Hisar is to produce and supply good quality rams to the breeders at subsidized rates. During the year 2014-15, 297 rams of good breed were supplied to the sheep breeders for breeding purpose.

To save sheep breeders from the clutches of middle men, 19.57 tonnes wool was purchased from the doorstep of the sheep breeders on reasonable rates by Wool Grading-cum-Marketing Centres at Loharu and Hisar.

GOAT DEVELOPMENT PROGRAMME

A Goat Breeding Unit was established at Government Livestock Farm, Hisar to meet the demand of good quality bucks in the State .The quality bucks of Beetal, A.B. cross, A.B.J.cross, A.J. cross and Beetal cross breeds are maintained for breeding purposes. A total of 49 high quality bucks were sold on subsidised rates to the goat breeders during this period.

PIGGERY DEVELOPMENT PROGRAMME

The main objective of Pig Breeding Farm, Ambala & Hisar is to produce piglets of Yorkshire breed and to supply them to the pig breeders at subsidised rates for breeding purpose. 71 piglets from Ambala and 219 from Hisar were supplied to the pig breeders during this period.

As a result of various programmes being implemented by the department for the development of livestock and poultry in the State, the production of milk, eggs, wool and meat was estimated as 79.01 lac tonnes, 45790 lacs, 14.28 lac kgs.and 141.41 lac kgs, respectively during the year 2014-15.

Dairy

The main objective of dairy farming is to provide self employment opportunities to educated unemployed youth of the State through establishment of 20/10/5/3 milch animals dairy units and to ensure availability of good quality compounded cattle feed, concentrates and mineral mixture conforming to the provision of the Cattel Feed Order, 1999. The prospective beneficiaries of dairy units have been imparted 11 days dairy training with a view to introduce them to scientific and technical method of dairy farming. A total of 450 persons were imparted dairy training during the year 2014-15.

During the year 2014-15, 1390 units of dairy have been established, 61 cattle feed manufacturers, 145 dealers have been registered and the registration of 104 manufacturers/dealers were renewed for the next three years throughout the State. Likewise 5 registrations have been cancelled during the year 2014-15 in the State.

V. S. KUNDU,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Animal Husbandry and Dairying Department.

कृषि विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपार्ट वर्ष 2014–15 की समीक्षा

दिनांक 27 अप्रैल, 2016

क्रमांक 2292– कृषि–II(1)–2016.—

राज्य सरकार की सहायता से कृषि विभाग के भरसक प्रयासों तथा परिश्रमी किसानों की उचित धारणा के फलस्वरुप राज्य के कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है। राज्य बनने के समय हरियाणा खाद्यान्न उत्पादन की दृष्टि से एक पिछड़ा हुआ प्रदेश था, जो अब अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करने वाला राज्य बन गया है। वर्ष 2014–15 के अंतर्गत केन्द्रीय भण्डारण में अनुमानित 85 लाख टन से अधिक खाद्यान्नों का योगदान दिया है। यद्यपि इस राज्य का भौगोलिक क्षेत्र देश के कुल क्षेत्र का 1.4 प्रतिशत के लगभग है, फिर भी देश के कुल खाद्यान्न का अनुमानित 6.41 प्रतिशत (2013–14) भाग इस राज्य में पैदा होता है। वर्ष 2013–14 व 2014–15 के दौरान क्रमशः 169.70 लाख टन व 152.36 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। इस प्रकार समीक्षाधीन वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में 16.64 लाख टन कम खाद्यान्न उत्पादन हुआ।

भूमि उपयोगः

कृषि अवस्था को मापने हेतू भूमि का उचित एवं लाभकारी उपयोग एक सही पैमाना है। फसलों की सघनता तथा कुल सिंचित क्षेत्र में वृद्धि करने पर अधिक जोर दिया गया है, जो क्रमशः 185.04 प्रतिशत व 57.08 लाख हैक्टेयर तक पहुंच गया है।

मौसम तथा वर्षा ऋतु

खरीफ, 2014

फसलों की बिजाई के समय मौसम ठीक रहा। वर्ष 2013 के 17.36 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की तुलना में वर्ष 2014 में 17.43 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में भिन्न–भिन्न खरीफ फसलों की बिजाई हुई। खरीफ 2013 के 49.43 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में वर्ष 2014 में 47.32 लाख टन का खाद्यान्न उत्पादन हुआ ।

रबी 2014–15

रबी 2014–2015 के दौरान गेहूं, चना, जौं तथा तिलहनों के अधीन क्रमशः 26.01 लाख हैक्टेयर, 0.65 लाख हैक्टेयर, 0.33 लाख हैक्टेयर, 5.10 लाख हैक्टेयर क्षेत्र रहा जबकि यह वर्ष 2013–14 में उपरोक्त फसलों के अन्तर्गत क्रमशः 24.99, 0.83, 0.39, 5.49 लाख हैक्टेयर क्षेत्र लाया गया था। गेहूं के औसत उत्पादन में कमी के फलस्वरूप इसका उत्पादन वर्ष 2013–14 के 118.00 लाख टन की तुलना में घटकर 103.54 लाख टन हो गया। रिपोर्ट वर्ष के दौरान कुल खाद्यान्न उत्पादन 152.36 टन रहा जो कि पिछले वर्ष 169.70 लाख टन था।

चण्डीगढ़ :
दिनांक 27 अप्रैल, 2016.

वरिन्द्र सिंह कुन्डु,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
कृषि विभाग।

REVIEW OF THE ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF THE AGRICULTURE DEPARTMENT FOR THE YEAR 2014-15.

The 27th April, 2016

No. 2292-Agri-II(1)-2016.—

Sustained efforts of the Department of Agriculture backed with support of the State Government and respective attitude of the hard working peasantry have increased the Agriculture production in the State. The State which on its creation was in deficit with respect to its food grains has been progressively transformed into a surplus State. The State has contributed more than 85 lakh tonne (Tentative) food grains to the Central pool during 2014-15. Although the geographical area forms about 1.4% of the total geographical area of the country yet the food grain production of the State accounts for 6.41% of the total production in the country during 2013-14. The food grain production achieved during 2013-14 and 2014-15 was 169.70 lakh tonne and 152.36 lakh tonne respectively. Thus there was decrease by 16.64 lakh tonne in food grain production as compared to the preceding year.

Land Utilization

An optimum and efficient land use is a good index for measuring the status of agriculture. Major stress has been laid on increasing cropping intensity and gross irrigated area which have been 185.04 % and 57.08 lakh ha. respectively.

Season and Rainfall

Kharif, 2014

Weather remained dry and wet during the sowing season. The average yield of various Kharif crops have mix trend of Increase or decrease. As against the area of 17.36 lakh ha. covered during Kharif 2013, an area of 17.43 lakh ha. was covered under different Kharif crops in 2014.

A total of 47.32 lakh tonnes of food grain production was achieved during Kharif 2014 as compared to 49.43 lakh tonne achieved during 2013.

Rabi 2014-15

The coverage of area under wheat, gram, barley and oilseeds remained 26.01 lakh ha., 0.65 lakh ha., 0.33 lakh ha. and 5.10 lakh ha during 2014-15 as compared to 24.99 lakh ha., 0.83 lakh ha, 0.39 lakh ha. and 5.49 lakh ha. respectively covered during Rabi 2013-14. The average yield of wheat has decrease and thereby the production decreased to 103.54 lakh tonnes during the season as compared to production of 118.00 lakh tonnes during Rabi 2013-14. The food grains production during 2014-15 remained 152.36 lakh tonnes as compared to 169.70 lakh tonnes during 2013-14.

Chandigarh:
The 27th April, 2016.

VARINDER SINGH KUNDU,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Agriculture Department.

निदेशालय भू–अभिलेख विभाग द्वारा किये गये कार्यों की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट

कृषि वर्ष 2012–13 अवधि 1–10–2012 से 30–09–2013

समीक्षा

दिनांक 13 अगस्त, 2015

क्रमांक नं0 डी०जी०एल०आर० / स०अ०अ० / 2016 / 5813.—

निदेशालय भू–अभिलेख के मुख्य कार्यों में पटवारियों की स्थापना पर प्रशासनिक नियन्त्रण, इन्तकाल तथा नकल फीस से प्राप्त आय पर नियन्त्रण, नायब तहसीलदारों, कानूनगो, पटवारियों, रजिस्ट्रेशन लिपिकों तथा वसीका नवीसों की विभागीय परीक्षा आयोजित करना, पटवारखानों के निर्माण के लिये धन प्रदान करना और राज्य के राजस्व कार्यालयों का निरीक्षण करना शामिल है।

(2) वर्ष 2012–13 मे पटवारी एवं कानूनगो की स्थापना पर 83,51,66,020 रुपये खर्च हुए। राजस्व रिकार्ड की नकले देने तथा राजस्व रिकार्ड का निरीक्षण करवाने के फलस्वरूप 5,07,15,301 रुपये की आय हुई जबकि गत वर्ष यह आय 4,57,72,637 रुपये थी।

(3) परीक्षाएं

(क) नायब तहसीलदार

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान नायब तहसीलदारों की विभागीय परीक्षा दिनांक 10–12–2012 से 14–12–2012 तक आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में कुल 60 उम्मीद्वारों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जिनमें से 59 उम्मीद्वारों ने परीक्षा दी, 1 उम्मीद्वार अनुपस्थित रहा, 15 पास हुए और 44 उम्मीद्वार फेल हुए।

(ख) कानूनगो

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान कनूनगो की विभागीय परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में कुल 890 उम्मीद्वारों नें आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जिन में से 814 उम्मीद्वारों ने परीक्षा दी, 76 उम्मीद्वार अनुपस्थित रहे, 111 पास हुए 113 उम्मीद्वार फेल हुए तथा 590 उम्मीद्वार कम्पार्टमैन्ट मे आए।

(ग) पटवारी

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान पटवारी उम्मीद्वारों की विभागीय परीक्षा निम्न प्रकार आयोजित की गई।

पटवारी उम्मीद्वारों की प्रथम व दूसरे सैमेस्टर की विभागीय परिक्षा दिनांक 18–2–2013 से 23–2–2013 तक आयोजित की गई थी। प्रथम सैमेस्टर की परीक्षा में कुल 251 उम्मीद्वारों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किये, 1 अनुपस्थित रहा, 250 उम्मीद्वारों ने परीक्षा दी, 129 पास हुए, 1 उम्मीद्वार फेल तथा 120 उम्मीद्वार कम्पार्टमैन्ट मे आए। दूसरे सैमेस्टर की परीक्ष में कुल 251 उम्मीद्वारों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किये। 251 उम्मीद्वारों ने परीक्षा दी, 227 पास तथा 24 उम्मीद्वार कम्पार्टमैन्ट मे आए।

पटवारी उम्मीद्वारों की प्रथम व दूसरे सैमेस्टर की विभागीय परीक्षा पुनः दिनांक 22–7–2013 से 26–7–2013 तक आयोजित की गई थी। प्रथम सैमेस्टर की परीक्षा में कुल 121 उम्मीद्वारों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किये 121 उम्मीद्वारों ने परीक्षा दी, 98 पास हुए तथा 23 उम्मीद्वार कम्पार्टमैन्ट में आए। दूसरे सैमेस्टर की परीक्षा में कुल 24 उम्मीद्वारों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किये 24 उम्मीद्वारों ने परीक्षा दी, 16 पास हुए तथा 8 उम्मीद्वार कम्पार्टमैन्ट में आए।

(घ) रजिस्ट्रेशन लिपिक

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान रजिस्ट्रेशन लिपिकों की विभागीय परीक्षा आयोजित की गई, लेकिन परीक्षा परिणाम घोषित नहीं किया गया।

(ड.) वसीका नवीस

रिपोर्टाधीन अवधि में वसीका नवीसों की परीक्षा आयोजित नही की गई।

(4) पदोन्नति

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान 36 कानूनगो को बतौर नायब–तहसीलदार तथा 79 पटवारियों को बतौर कानूनगो पदोन्नत किया गया।

(5) निरीक्षण

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान निदेशक भू–अभिलेख, हरियाणा द्वारा तथा भू–अभिलेख स्टाफ द्वारा हिसार जिला की 5 तहसील / सब तहसील कार्यालयों का निरीक्षण किया गया।

(6) इन्तकाल के मामले

रिपोर्टाधीन अवधि में 3,43,158 इन्तकाल के मामले निपटाने योग्य थे इनमे से 3,39,220 इन्तकालों का निपटान किया गया तथा 3,938 इन्तकाल बकाया रहे।

(7) बटवारे के मामले

रिपोर्टाधीन अवधि में 17,661 बटवारे मे मामले निपटाने योग्य थे। इनमें से 7,319 बटवारे के मामलों का निपटान किया गया तथा 10,342 मामले बकाया रहे।

(8) भ्रष्टाचार के मामले

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान पटवारी एवं कानूनगो के विरुद्ध चौकसी विभाग द्वारा 18 मामले दर्ज किये गये।

भू–अभिलेख विभाग हरियाणा का कार्य सन्तोषजनक रहा।

चण्डीगढ़ :
दिनांक 13 अगस्त, 2015.

डॉ० दलीप सिंह,
अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं वित्तायुक्त, हरियाणा सरकार,
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग।

OPERATIONS OF DIRECTORATAE OF LAND RECORDS HAARYANA AGRICULTURAL YEAR 2012-13(1-10-2012 TO 2013)
REVIEW

The 13th August 2015

No.DGLR/SAA/2016/5813.— The main functions of the Directorate of Land Records are to exercise administrative control over Patwaris and kanungos establishment, receipt of copying and mutation fees, to conduct examination of Naib-Tehsildars, Kanungos and Patwaris, Registration Clerks and Document Writers, to provide funds for the construction of Patwar-khanas, construction of record rooms at district headquarters and to inspect revenue offices in the field .

(2) During the period 2012-2013 the expenditure on Patwaris and kanungos establishment was ` 83,51,66,020. A sum of ` 5,07,15,301 was received on account of providing copies of revenue records and inspection fee of Patwari records as against ` 4,57,72,637 during the pervious year.

(3) EXAMINATIONS

(a) Naib Tehsildars

During the period under report, examination of Naib-Tehsildars was conducted from 10-12-12 to 14-12-12. 60 Candidates applied for the examination, out of which I remained absent, 59 Candidates appeared, 15 candidates declared pass and 44 put under re-appear.

(b) Kanungos

During the period under report, examinations of Kanungos was conducted. 890 Candidates applied for the examination, out of which 76 remained absent, 814 Candidates appeared, 111 candidates declared pass, 113 declared fail and 590 put under re-appear.

(c) Patwaris

Following Departmental Examination of Patwari candidates were held during the period under report.

The Departmental Examination of first Semester & Second Semester of patwari candidates was held form 18-02-2013 to 23-02-2013. In the first Semester Examination, 251 Candidates applied for it, 1 remained absent, 250 Candidates appeared, 129 candidates declared pass, 1 declared fail and 120 put under re-appear. In the Second Semester 251 Candidates applied for the examination, 251 Candidates appeared, 227 candidates declared pass, 24 put under re-appear.

Subsequently, the Departmental Examination of First Semester & Second Semester of patwari candidates was held from 22-7-2013 to 26-07-2013. In the first Semester 121 Candidates applied for it, 121 candidates, appeared 98 Candidates declared pass, 23 put under re-appear. In the Second Semester 24 Candidates applied for it, 24 Candidates appeared, 16 Candidates declared pass, 8 put under re-appear.

(d) Registration Clerks

During the period under report, examination of Registration clerks wad conducted but result not declared.

(d) Document writer

During the period under report, no examination of Document Writers was conducted

(4) Promotions

During the period under report, 36 Kanungos were promoted as Naib-Tehsildar and 79 Patwaris were promoted as kanungos.

(5) Inspection

During the period under report, 5 Tehsil/Sub Tehsil of Hisar District were inspected by the Director Land Records and his Staff.

(6) Mutation Cases

During the period under report, 3,43,158 mutation cases were disposable. Out of which 3,39,220 mutation were disposed of leaving a balance of 3,938.

(7) Partition Cases

During the period under report, 17,661 partition cases were disposable. Out of which 7,319 cases were disposed of leaving a balance of 10,342.

(8) Corruption Cases

During the period under report, 18 Cases were registered against Patwari and Kanungo by the Vigilance Department.

As a whole the work of the Directorate of Land Records, Haryana has been satisfactory during the period under report.

DR. DALIP SINGH,
Additional Chief Secretary and Financial Commissioner to
Government Haryana, Revenue and Disaster Management Department.

Chandigarh:
The 13th August, 2015.

54383—C.S.—H.G.P., Chd.